ब्रिटेन, कनाडा चले भारतीय छात्र

आसान वीजा नियम और प्लेसमेंट के बेहतर माहौल के चलते इन देशों का रुख कर रहे विद्यार्थी

विनय उमरजी

भारत से विदेश जाकर शिक्षा लेने के लिए आवेदन करने का समय आते ही अमेरिका के शीर्ष 15 बिजनेस स्कूलों के अलावा शेष सभी में आवेदनों की संख्या घट रही है। इनमें यूटी ऑस्टिन, इंडियाना और जॉर्जटाउन आदि संस्थान शामिल हैं। दूसरी ओर ब्रिटेन ने हाल ही में नीतिगत बदलाव करते हुए अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को पढ़ाई के बाद कार्य के लिए दो वर्षीय का वीजा देने की घोषणा की है। उद्योग का मानना है कि अब भारतीय छात्र अमेरिका की शीर्ष 15 यूनिवर्सिटी के बाद आसान वीजा नियमों और बेहतर प्लेसमेंट माहौल के चलते बैकअप के तौर पर कनाडा और ब्रिटेन के विकल्प चुन रहे हैं।

ब्रिटेन ने ऐसे समय वीजा नियमों में ढील दी है जब (सितंबर माह) भारत से आने वाले आवेदनों में तेजी आती है और इसके बाद जनवरी में ऐसा होता है। विदेश में शिक्षा के लिए भारत में स्थित सलाहकारों का मानना है कि सितंबर माह वाले आवेदनों में अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए आवेदनों में मामूली कमी ही आएगी लेकिन जनवरी 2020 के दौरान किए जाने वाले आवेदनों में काफी बड़ा बदलाव देखा जा सकता है।

हालांकि अभी भी स्टडी वीजा के लिए भारत से किए जाने वाले आवेदनों में अमेरिका शीर्ष पर है लेकिन कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूरोपीय यूनियन के दूसरे देश भी बेहतर स्थान माने जा रहे हैं। आवेदनकर्ता या तो अमेरिकी के शीर्ष संस्थानों के लिए आवेदन कर रहे हैं या स्थानीय निवासी पात्रता और बेहतर नौकरी के लिए सुरक्षित स्थानों का चयन कर रहे हैं। विदेशी शिक्षा के क्षेत्र में सलाहकार फर्म ईएसएस ग्लोबल के निदेशक रोहित सेठी कहते हैं, 'ब्रिटेन को विश्वसनीय शिक्षा के लिए जाना जाता है और इसका एक साल का स्नातक कार्यक्रम अन्य प्रतिस्पर्धी जगहों के किसी भी दो वर्षीय कार्यक्रम की तरह ही बेहतर है। अभी तक पढ़ाई के बाद कार्य वीजा के अभाव में ब्रिटेन के लिए आवेदनों की संख्या कम रहती थी। हालांकि हम अब छात्रों के बीच काफी रूचि देख रहे हैं। दूसरी ओर पढ़ाई के साथ स्थायी निवासी के दर्जे के बारे में सोच रहे विद्यार्थी कनाडा का विचार बना रहे हैं क्योंकि अमेरिका में इस तरह के नियम काफी कड़े हैं।'

बदलता रुझान

- अमेरिका के लिए आवेदनों में **20-30** प्रतिशत की कमी
- ब्रिटेन द्वारा दिए जा रहे पढ़ाई के बाद **2** वर्षीय वीजा कार्यक्रम से आवेदनों की संख्या बढ़ने के आसार
- अमेरिका के लिए भारतीय छात्रों के आवेदनों की वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी

भले ही आधिकारिक आंकड़ों की कमी हो लेकिन सलाहकार बताते हैं कि भारतीय आवेदनकर्ताओं में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अमेरिका पहले और 25 प्रतिशत के साथ कनाडा दूसरे स्थान पर है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया (20 प्रतिशत) और ब्रिटेन (5 प्रतिशत) का नंबर आता है जबकि शेष में न्यूजीलैंड और यूरेपीय यूनियन के दूसरे देश शामिल हैं।पढ़ाई के बाद कार्य वीजा के नियमों में ढील देने और ऑस्ट्रेलिया में अधिक कड़े नियमों के चलते जनवरी 2020 में इन आंकड़ों में लगभग 10-15 प्रतिशत का बदलाव आएगा। अमेरिका के लिआ आवेदनों में भी लगातार कमी देखी जा रही है।

हालिया ओपन डोर इंटरनैशनल एजूकेशन रिपोर्ट 2018 के अनुसार

अमेरिका से इतर विकल्पों की तलाश कर रहे भारतीय छात्र

भारत से अमेरिका जाने वाले आवेदनों की वृद्धि दर में कमी आ रही है जो 2016-17 के 12 प्रतिशत से घटकर 2017-18 में 5 प्रतिशत रह गई और 1,96,000 छात्र अमेरिका में पढ़ाई के लिए गए। एडमिट स्क्वायर के प्रशांत टिबरेवाल कहते हैं कि फिलहाल कनाडा बेहतर बैकअप प्लान बन रहा है। वह कहते हैं, 'आसान वीजा नियमों के चलते कनाडा कई छात्रों की पहली पसंद भी बन रहा है। वहां के शीर्ष संस्थानों में पढ़ाई के साथ छात्र बेहतर नौकरी अवसर और निवेश पर अच्छा रिटर्न की संभावनाएं देख रहे हैं।' विदेशी शिक्षा सलाहकार कंपनी क्रैक वर्बल ने मुख्य कार्याधिकारी अरुण जगन्नाथ ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि भारत से अमेरिका के लिए जाने वाले आवेदनों में 20-30 प्रतिशत की कमी आई है।

क्यूएस रैंकिंग : भारत में आईआईटी बंबई शीर्ष पर

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में आईआईटी बंबई भारतीय संस्थानों में शीर्ष पर रही। वैश्विक रैंकिंग में भी अपना स्थान सुधारते हुए आईआईटी बंबई पिछले बार के 141-150 स्थान वाले समूह की जगह इस बार 111-120 स्थान वाले समूह में पहुंच गई। इसके बाद आईआईटी दिल्ली (151-160 स्थान वाला समूह) और आईआईटी मद्रास (171-180) थे और ये तीनों संस्थान हालिया क्यूएस रैंकिंग में भारत के शीर्ष 3 संस्थान रहे।

इस रैंकिंग में विश्व की शीर्ष 500 यूनिवर्सिटी की सूची तैयार की जाती है और रोजगार देने के पैमाने पर संस्थानों को मापा जाता है। इस बार की सूची के लिए 15 भारतीय यूनिवर्सिटी ने हिस्सा लिया था जिसमें से 10 को अंतिम सूची में स्थान मिला।

हालांकि यह संख्या पिछली बार से एक ज्यादा है। सभी भारतीय संस्थानों ने या तो पिछली रैंकिंग में सुधार किया है या उसी स्थान पर रहे हैं। इस बार बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने रैंकिंग में पहली बार जगह बनाई है और 201-250 स्थान वाले समूह में शामिल रहा।

बीएस

तेजस में भरी उड़ान

| फोटो: पीटीआई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बेंगलूरु में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की प्रदर्शनी के कार्यक्रम में स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी *पीटीआई*

रोचक, मनोरंजक
और प्रेरक
बिज़नेस स्टैंडर्ड हिंदी मंच
फिर आ रहा है आप तक

हर वर्ष की तरह, इस बार भी हम **हिंदी दिवस** भारत की अग्रणी कंपनियों में पूरे सितम्बर **हिंदी मंच** का आयोजन करके मना रहे हैं।

हिंदी मंच के कुछ कार्यक्रम

वित्तीय प्रश्नोत्तरी | समाचार वाचन | वाद-विवाद | सुलेखन प्रतियोगिता

हिंदी मंच, आज National Seeds Corporation, New Delhi में

आपकी कंपनी में बिज़नेस स्टैंडर्ड हिंदी मंच आयोजन करने के लिए, हमसे संपर्क करें. Call: 022 4027 5432, Email: mansi.singh@bsmail.in

बिज़नेस स्टैंडर्ड
बेहतर बिज़नेस वो, जो आपकी भाषा में हो

businessstandardhindi bshindi www.hindi.business-standard.com

100 MN.SQ.FT DELIVERED
OMAXE Turning dreams into reality

ओमेक्स लिमिटेड
सावधि जमा योजना
अनुभव ज्यादा
CIN: L74899HR1989PLC051918
पंजी. कार्यालय: दुकान न. 19- बी, प्रथम तल, ओमेक्स सेलिब्रेशन मॉल, सोहना रोड, गुरूग्राम-122001, हरियाणा
कार्पोरेट कार्यालय ओमेक्स हाउस, 7, स्थानीय शॉपिंग सेंटर, कालकाजी, नई दिल्ली-110019
दूरभाष: 011-4055 4199 I ई मेल: fdcustomercare@omaxe.com I वेबसाइट: www.omaxe.com

सावधि जमा पाएं अधिक लाभ 13.66#%

योजना (क) - गैर संचयी*

अवधि	न्यूनतम राशि (₹)	ब्याज की दर (% प्रति वर्ष)	प्रतिफल (% प्रति वर्ष)
1 वर्ष	50,000/-	10.50%	10.59%
2 वर्ष	50,000/-	11.00%	11.10%
3 वर्ष	50,000/-	11.50%	11.61%

* ब्याज मासिक चक्रवृद्धि आधार पर है और तिमाही आधार पर देय होगा
* अतिरिक्त राशि रू 1000/- के गुणांक में

योजना (ख) - संचयी**

अवधि	न्यूनतम राशि (₹)	ब्याज की दर (% प्रति वर्ष)	परिपक्वता पर देय (₹)	प्रतिफल (% प्रति वर्ष)
1 वर्ष	50,000/-	10.50%	55,510/-	11.02%
2 वर्ष	50,000/-	11.00%	62,241/-	12.24%
3 वर्ष#	50,000/-	11.50%	70,484/-	13.66%

** ब्याज मासिक चक्रवृद्धि आधार पर है और परिपक्वता पर देय होगा
** अतिरिक्त राशि रू 1000/- के गुणांक में

फार्म डीपीटी-1
जमाएं (डिपाजिट) आमंत्रण परिपत्र अथवा विज्ञापन के रूप में परिपत्र
[कंपनीज़ (जमाओं की स्वीकार्यता) नियम, 2014 अधिनियम 73(2)(क) और अनुच्छेद 76 तथा नियम 4(1) और 4(2) के अनुरूप]

1. सामान्य सूचना
क) कंपनी का नाम, पता, वेबसाइट और अन्य संपर्क विवरण: ओमेक्स लिमिटेड
पंजी. कार्यालय: दुकान नं. 19-बी, प्रथम तल, ओमेक्स सेलिब्रेशन मॉल, सोहना रोड, गुरूग्राम-122001, हरियाणा
कार्पोरेट कार्यालय: ओमेक्स हाउस, 7, स्थानीय शॉपिंग सेंटर, कालकाजी, नई दिल्ली-110019
सावधि जमा विभाग: 3, स्थानीय शॉपिंग सेंटर, कालकाजी, नई दिल्ली-110019,
वेबसाइट: www.omaxe.com, टेली. # 011-4055 4199
ख) कंपनी के निगमन की तिथि: 8 मार्च, 1989
ग) कंपनी और इसकी सहायक इकाइयों द्वारा संचालित व्यवसाय, साथ में शाखाओं अथवा इकाइयों, यदि कोई है, का विवरण:
कंपनी वर्तमान में निर्माण और रियल एस्टेट विकास के व्यवसाय से प्रत्यक्ष (सीधे) तौर पर और इसकी सहायक कंपनियों के जरिये जुड़ी है। ऊपर वर्णित व्यवसाय से जुड़ी 31 मार्च, 2019 की स्थिति अनुसार कंपनी की कुल 98 सहायक कंपनियां हैं। संक्षिप्तता के कारण, इन सहायक कंपनियों के नाम यहां नहीं दिये गये हैं, लेकिन इनका कंपनी के कार्पोरेट कार्यालय में कार्य के घण्टों के दौरान सत्यापन/निरीक्षण किया जा सकता है।
कंपनी का कार्पोरेट कार्यालय ओमेक्स हाउस, 7, स्थानीय शॉपिंग सेंटर, कालकाजी, नई दिल्ली -110019 में और चंडीगढ़, यमुना नगर, लखनऊ, इंदौर, जयपुर, इलाहाबाद, लुधियाना में क्षेत्रीय कार्यालय हैं।
घ) कंपनी के प्रबंधन का संक्षिप्त विवरण:
कंपनी का प्रबंधन निदेशक मण्डल के अधीक्षण, नियंत्रण और निर्देशन के विषयाधीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशकों और पेशेवर प्रबंधकों का दल करता है।
ड़) निदेशकों के नाम, पते, डीआईएन और व्यवसाय:

क्र.सं.	पद के साथ नाम	पता	व्यवसाय
1	श्री रोहतास गोयल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (DIN: 00003735)	ई-7, अंसल विला, गांव - सतबारी, तहसील महरौली, नई दिल्ली-110074	व्यापार
2	श्री सुधागंशु एस बिस्वाल, पूर्णकालिक निदेशक (DIN: 07580667)	जे - 188 (पॉकेट-जे), सरिता विहार, नई दिल्ली -110076	सर्विस
3	सुश्री सीमा प्रसाद अवासराला निदेशक*(DIN: 07058667)	59 / 8-2-334, रोड नंबर 3, बंजारा हिल्स हैदराबाद 500034, तेलंगाना	प्रोफेशनल
4	श्री गुरनाम सिंह, निदेशक (गैर कार्यकारी एवं स्वतंत्र)* (DIN: 08357396)	फ्लैट नं. 22, प्लॉट नं. 56, आई.पी. एक्सटेंशन, आम्रपाली अपार्टमेन्ट, प्रतापगंज, शकरपुर, बारामाद, पूर्वी दिल्ली-110092	प्रोफेशनल
5	श्री देवीदास काशीनाथ काम्बाले, निदेशक (गैर कार्यकारी एवं स्वतंत्र)* (DIN: 00020656)	डी-2603, लॉयड्स एस्टेट, वडाला हाईटस् सीएचएस, दोस्ती एकड़ कॉम्पलेक्स के नजदीक, संगम नगर, वडाला, पूर्वी मुम्बई-400037	प्रोफेशनल

च) प्रबंधन की जोखिम कारकों की अवधारणा: वित्तीय दायित्वों की समय पर सर्विसिंग के संबंध में पर्याप्त सुरक्षा।
छ) भुगतान में चूक का ब्यौरा, शामिल राशि, चूक की अवधि और पुनर्भुगतान की वर्तमान स्थिति-
i) सांविधिक देनदारियां: लागू नहीं
ii) डिबेंचर्स और उन पर ब्याज़: लागू नहीं
iii) किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्थान से ऋण और उस पर ब्याज: लागू नहीं
2. जमा योजना का विवरण
क) बोर्ड प्रस्ताव पारित किये जाने की तिथि: 14.08.2019
ख) ऐसी जमाओं के आमंत्रण के लिये अधिकृत किये जाने हेतु प्रस्ताव आम सभा में पारित किये जाने की तिथि: 27.07.2015
ग) जमाओं की प्रकृति अर्थात क्या सुरक्षित अथवा असुरक्षित हैं: असुरक्षित जमाएं
घ) ( ) राशि, जिसे कंपनी अधिनियम और इसके तहत बनाये गये नियमों के अनुरूप जमाओं के जरिए जुटा सकती है: 31 मार्च, 2019 के तुलन पत्र के आधार पर:
सार्वजनिक जमाएं: रू. 459.91 करोड़
शेयरधारकों (सदस्यों) से जमाएं: रू. 183.96 करोड़
कुल: रू. 643.87 करोड़
(ii) 31 मार्च, 2019 की स्थिति अनुसार वास्तविक धारित कुल जमाएं: रू 89.67 करोड़
(iii)विज्ञापन जारी होने की तिथि को जमाओं का कुल जोड़: रू 96.24 करोड़
(iv)जमाओं की राशि जिसे कंपनी वित्तीय वर्ष 2019-20 में जुटा सकती है: रू 643.87 करोड़
(v) वर्तमान वित्तीय वर्ष 2019-20 में जमाओं के पुनर्भुगतान/नवीकरण की राशि: रू 57.55 करोड़
ड) जमाएं प्राप्त करने की शर्तें:
( ) अवधि: 3 वर्ष तक
(ii) ब्याज़ की दर: मासिक चक्रवृद्धि आधार पर 12.50% तक
(iii) भुगतान और पुर्नभुगतान का तरीका: चैक/आरटीजीएस/एनईएफटी द्वारा
च) योजना खुलने की तिथि और समयावधि, जिसके लिये परिपत्र अथवा विज्ञापन वैध है, का उल्लेख करते हुए प्रस्तावित समय अनुसूची: सावधि जमा योजना 01.11.2014 से खुलेगी और जारी किया गया यह विज्ञापन 30.09.2020 अथवा वार्षिक आम सभा, जो भी पहले हो, तक के लिये वैध होगा।
छ) जमाएं प्राप्त करने के कारण अथवा आपत्तियां: निधियों की लघु अवधि आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये
ज) प्राप्त क्रेडिट रेटिंग;
(i) क्रेडिट रेटिंग एजेंसी का नाम: केर रेटिंगस लिमिटेड
(ii) प्राप्त रेटिंग: सीएआरई बीबीबी (एफडी)
(iii) प्राप्त रेटिंग का अर्थ: वित्तीय दायित्वों की समय पर सर्विसिंग के संबंध में सुरक्षा की मॉडरेट डिग्री
(iv) रेटिंग प्राप्त होने की तिथि: 07.01.2019
झ) ऐसी जमाओं की सुरक्षा के लिये सृजित प्रभार अथवा सृजित किये जाने वाले प्रभार का लघु विवरण: लागू नहीं
ट) ऐसी जमाओं में निदेशकों, प्रमोटर्स अथवा प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों की कोई वित्तीय अथवा अन्य हित और अब तक के इस तरह के हितों का असर, जो अन्य व्यक्तियों के हितों से भिन्न हो, तो इसका प्रभाव: भून्य
*श्री गुरनाम सिंह एवं श्री देवीदास काशीनाथ काम्बाले क्रमानुसार 12 फरवरी, 2019 तथा 30 जुलाई, 2019 की प्रभावी तिथि से कम्पनी के निदेशक नियुक्त किए गए थे।

3. किसी बकाया जमाओं का विवरण (31 मार्च, 2019 को)
क) बकाया राशि- रू. 89.67 करोड़
ख) स्वीकार्यता की तिथि- 31.03.2019 तक
ग) स्वीकार की गई कुल राशि - रू. 388.60 करोड़
घ) ब्याज की दर-मासिक चक्रवृद्धि आधार पर 12.50% प्र.व. तक
ड़) जमाओं की कुल संख्या- 3551
च) जमाओं के पुनर्भुगतान और उन पर ब्याज, यदि कोई है, के भुगतान में चूक, यदि कोई है, जमाकताओं की संख्या, राशि और शामिल चूक की अवधि- लागू नही
छ) जमाओं पर अर्जित ब्याज की जमाकर्ताओं द्वारा कोई माफी-लागू नही
4. कंपनी की वित्तीय स्थिति
क) परिपत्र अथवा विज्ञापन जारी होने की तिथि से तत्काल पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिये कर के लिये प्रावधान किये जाने से पहले अथवा बाद में, कंपनी का लाभ. (रु करोड़ में)

समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष	31.03.2017	31.03.2018	31.03.2019
कर पूर्व लाभ	128.99	96.50	41.67
कर के बाद लाभ	67.84	63.50	23.14

ख) उक्त तीन वर्षों के संबंध में कंपनी द्वारा घोषित लाभांशः तीन वर्षों के लिये ब्याज कवरेज अनुपात (कर उपरांत नकदी लाभ जमा भुगतान किया गया ब्याज अथवा भुगतान किया गया ब्याज)

समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष	31.03.2017	31.03.2018	31.03.2019
लाभांश की घोषणा (%)	7%	7%	7%*
ब्याज कवरेज अनुपात	1.8	1.4	1.2

(*केवल सार्वजनिक शेयरधारकों को आम सभा के लिए सिफारिश की)
ग) परिपत्र अथवा विज्ञापन के जारी होने की तिथि से तत्काल पिछले तीन अंकेक्षित तुलन पत्रों के अनुरूप कंपनी की वित्तीय स्थिति का सारां I; (रु करोड़ में)

देयताएं	31.03.2019 को	31.03.2018 को	31.03.2017 को	संपत्तियाँ	31.03.2019 को	31.03.2018 को	31.03.2017 को
शेयर पूंजी	182.90	182.90	182.90	गैर वर्तमान संपत्तियाँ	1192.66	1024.92	1177.21
रिजर्व और अधिशेष	1406.96	1741.83	1684.79				
गैर वर्तमान देयताएं	486.77	640.24	961.37	वर्तमान संपत्तियाँ	5185.94	4401.05	4513.15
वर्तमान देयताए	4301.97	2861.00	2861.30				
कुल	6378.60	5425.97	5690.36	कुल	6378.60	5425.97	5690.36

घ) परिपत्र अथवा विज्ञापन जारी होने की तिथि से तत्काल पिछले तीन वर्ष के लिये अंकेक्षित नकदी प्रवाह विवरण का सारां I; (रु करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2017
ऑपरेटिंग गतिविधियों से नेट नकद प्रवाह	271.42	29.02	317.83
क्रियाएँ निवेश करने में प्रयोग किया शुद्ध नकद	136.40	20.78	(16.38)
वित्तीय गतिविधियों में इस्तेमाल शुद्ध नकद	(426.04)	(43.86)	(295.20)
शुद्ध वृद्धि(+)/कमी (-) नकद और नकद समकक्ष में	(18.22)	5.94	6.25
वर्ष के शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष	53.43	47.49	41.25
वर्ष के अंत में नकद और नकद समकक्ष	35.21	53.43	47.50

ड़) पिछले तीन वर्षों के दौरान लेखांकन नीतियों में कोई परिवर्तन और कंपनी के लाभों और आरक्षितों पर उनका प्रभाव- लागू नहीं
5. निदेशक घोषणा करते हैं कि -
क) कंपनी ने अधिनियम के शुरू होने से पहले या उसके बाद स्वीकार किए गए जमा की पुनर्भुगतान में चूक नहीं की है या इस तरह के जमा पर ब्याज का भुगतान किया है और जहां एक डिफ़ॉल्ट हुआ था, कंपनी ने डिफ़ॉल्ट बनाया और डिफ़ॉल्ट बनाने की तारीख से पांच साल की अवधि समाप्त हो गई थी।
ख) निदेशक मण्डल ने कंपनी के मामलों और संभावनाओं से स्वयं को संतुष्ट कर लिया है और उनकी राय है कि कंपनी के भविष्य की वित्तीय स्थिति के अनुमान के अनुसार कंपनी अपनी देनदारियों को, जब कभी भी वे देय होंगी पूरा करने में सक्षम होगी और कंपनी परिपत्र अथवा विज्ञापन के जारी होने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर दिवालिया नहीं होगी;
ग) कंपनी ने अधिनियम के प्रावधानों और उसके अधीन बनाये गये नियमों की अनुपालना की है;
घ) कानून और नियमों अनुपालना का ये अर्थ नहीं हो जाता कि जमाओं के पुनर्भुगतान की गारंटी केंद्रीय सरकार की है;
ड़) अधिनियम के लागू होने से पूर्व कंपनी द्वारा स्वीकार की गई जमाओं का भुगतान कर दिया गया है अथवा परिपक्वता के समय उस पर ब्याज सहित पुनर्भुगतान कर दिया जायेगा और जब तक उनका पुनर्भुगतान नहीं कर दिया जाता उन्हें असुरक्षित समझा जायेगा और अन्य असुरक्षित देनदारियों के समरूप श्रेणी में माना जायेगा।
च) क्रेडिट रेटिंग में कोई विपरीत परिवर्तन होने से जमाकर्ताओं को बग़ैर किसी दंड के जमाएं वापस लेने का अवसर दिया जायेगा।
छ) जमाओं का प्रयोग केवल परिपत्र अथवा विज्ञापन के रूप में परिपत्र में इंगित उद्देश्यों के लिये किया जायेगा;
ज) कंपनी द्वारा स्वीकार की गई जमाएं (सुरक्षित जमाओं, यदि कोई है, के अलावा, जिसकी कुल राशि का उल्लेख किया जाना है) सुरक्षित हैं और कंपनी की अन्य असुरक्षित देनदारियों के अनुसार समरूप श्रेणी में हैं।
जमाएं आमंत्रित करने हेतु यह परिपत्र अथवा विज्ञापन के रूप में परिपत्र कंपनी के निदेशक मण्डल के प्राधिकार और उसके नाम से जारी किया जाता है।
सावधि जमाएं आवेदन प्रपत्र में दी गई कंपनी की सावधि जमा योजना की शर्तों एवं निबंधन के विषयाधीन स्वीकार की जाएंगी।
इस परिपत्र अथवा विज्ञापन के रूप में परिपत्र के पाठ का निदेशक मण्डल ने 14.08.2019 को हुई इसकी बैठक में अनुमोदन किया है और कंपनी के निदेशकों द्वारा बहुमत से विधिवत हस्ताक्षरित एक प्रति रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, दिल्ली एवं हरियाणा को सौंप दी गई है।
अस्वीकरण : यह स्पष्ट रूप से समझा जाना है कि रजिस्ट्रार के पास सर्कुलर अथवा विज्ञापन के रूप में सर्कुलर की प्रस्तुति किसी भी रूप में यह नहीं माना अथवा समझा जा सकता है कि उसको रजिस्ट्रार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा मंजूर अथवा अनुमोदित किया गया है। रजिस्ट्रार अथवा केन्द्र सरकार किसी डिपॉजिट स्कीम, जिसके लिए जमाराशि स्वीकार अथवा आमंत्रित की गई हैं, की वित्तीय मजबूती अथवा उसमें दिए गए विवरणों अथवा सर्कुलर अथवा विज्ञापन के रूप में सर्कुलर में अभिव्यक्त मतों की सत्यता की कोई जिम्मेदारी नहीं लेते हैं। जमाकर्ताओं को डिपॉजिट स्कीमों में निवेश करने से पहले सम्यक् सतर्कता बरतनी चाहिए।"

निदेशक मंडल के आदेश से
ओमेक्स लिमिटेड के लिए
रोहतास गोयल (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक)
DIN: 00003735
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 14.08.2019

डीपीटी-1 के विषय में लेखापरीक्षक का प्रमाणपत्र
हम, मैसर्स बी एस डी एण्ड कम्पनी, मैसर्स ओमैक्स लिमिटेड ("कम्पनी"), जिसका पंजीकृत कार्यालय शॉप नंबर 19-बी, प्रथम तल, ओमैक्स सेलीब्रेशन मॉल, सोहना रोड, गुरूग्राम-122001 (हरियाणा) में स्थित है, के सांविधिक लेखापरीक्षक एतदद्वारा प्रमाणित करते हैं कि कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम, 2013 के आरंभन से पूर्व अथवा के पश्चात स्वीकार की गई इन जमाराशियों पर ब्याज के भुगतान से पूर्व अथवा के पश्चात इन जमाराशियों के प्रतिभुगतान अथवा ब्याज के भुगतान में कोई चूक नहीं की है। उपरोक्त प्रमाणन हमारे द्वारा की गई लेखा बहियों, अन्य सचिवीय अभिलेखों की जांच तथा इस संबंध में हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के आधार पर किया गया है।
कृते
मैसर्स बी एस डी एण्ड कम्पनी (चार्टर्ड एकाउंटेंट)
फर्म पंजीकरण संख्या: 000312
प्रकाश चान्द सुराना, पार्टनर (मेम्बरशिप नं. 010276)
UDIN: 19010276AAAAAF4337
सीन : नई दिल्ली
दिनांक : 14.08.2019